

पाठ-02 बचपन

(EXERCISE-2.1)

1 mark

1. इस कहानी में कौन-कौन से चरित्र हैं जो बचपन के दिनों की यादों में खोए हुए हैं? उनकी भूमिका कैसी है?

उत्तर:- कहानी में चंद्रमा, रात, और राजा इस प्रकार के चरित्र हैं जो बचपन के दिनों की यादों में खोए हुए हैं। उनकी भूमिका बचपन की मिसालें देना है और उनकी सुंदरता और मासूमियत का वर्णन करना है।

2. बचपन के दिनों का सुंदर चित्रण करते हुए, लेखक ने कैसे बताया है कि बचपन हमारे जीवन का सबसे हसीन पल होता है?

उत्तर:- लेखक ने ब

3. कहानी में बचपन के दिनों की यादों को कैसे बयान किया गया है? इसमें कौन-कौन से सांगीतिक तत्व शामिल हैं?

उत्तर:- बचपन के दिनों की यादों को कहानी में सुंदरता से बयान किया गया है। सांगीतिक तत्वों में मौसम का संबंध, खेतों की बूंदें, बर्फ, और पक्षियों की चहचहाहट शामिल हैं।

4. रात और चंद्रमा कैसे कहानी में मुख्य रूप से उपस्थित हैं? उनकी भूमिका क्या है?

उत्तर:- रात और चंद्रमा कहानी में बचपन की मिसालें देने वाले चरित्र हैं। उनकी भूमिका है बचपन के सुंदर पलों की यादों को जगाना और लोगों को इस सम्बंध में सोचने पर प्रेरित करना।

(EXERCISE-2.2)

2 mark

1. कहानी में राजा का क्या महत्व है? उनका चरित्र कैसा है?

उत्तर:- राजा का महत्व कहानी में बचपन की उम्मीदों और सपनों को प्रेरित करने में है। उनका चरित्र आदर्शवादी और जीवन के सुंदर पहलुओं का प्रतीक है।

2. लेखक ने बचपन की मिसालें कौन-कौन से तत्वों के माध्यम से दी हैं?

उत्तर:- लेखक ने बचपन की मिसालें मौसम, बूंदें, पक्षियाँ, और सांगीतिक तत्वों के माध्यम से दी हैं।

3. चिड़ीया जो बचपन में थी, उसकी भूमिका कैसी है? उसने बचपन के दिनों का सुंदर चित्रण कैसे किया है?

उत्तर:- चिड़ीया का बचपन कहानी में आदर्श मानव जीवन का प्रतीक है। उसका बचपन कहानी में सुंदर चित्रण उसकी मासूमियत, प्यार, और खुशियों के साथ किया गया है।

4. बचपन की यादों को स्वीकार करने का लेखक का संदेश क्या है?

उत्तर:- लेखक का संदेश है कि हमें बचपन की यादों को स्वीकार करना चाहिए और उनमें से सीख निकालना चाहिए। बचपन के दिन हमें सजग रहना चाहिए ताकि हम अपने जीवन को और भी सुंदर बना सकें।

5. रात और चंद्रमा के माध्यम से बताएं कि बचपन के दिन क्यों हमारे जीवन में महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर:- रात और चंद्रमा के माध्यम से कहानी में बचपन के दिनों की मिसालें बताते हैं कि वे हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं, जो हमें सजग बनाए रखते हैं और हमें जीवन को अधिक सजीव और प्रेरणादायक बनाते हैं।

6. चंद्रमा और रात का किस प्रकार से सम्बंध है बचपन के दिनों के साथ?

उत्तर:- चंद्रमा और रात का सम्बंध बचपन के दिनों की मिसालें देने में है, जो हमें उन यादों का सामर्थ्य दिखाते हैं जो हमें जीवन में प्रेरित करते हैं।

(EXERCISE-2.3)

4 mark

1. उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका में क्या-क्या बदलाव हुए हैं? पाठ से मालूम करके लिखो।

उत्तर:- उम्र बढ़ने के साथ-साथ लेखिका के पहनावे में भी काफी बदलाव आए। पहले वे रंग-बिरंगे कपड़े पहनती रही नीला-जामुनी-ग्रे-काला-चॉकलेटी। अब गहरे नहीं, हलके रंग पहनने लगी। पहले वे फॉक, फिर निकर-वॉकर, स्कर्ट, लहंगे, गरारे परंतु अब चूड़ीदार और घेरदार कुर्ते पहनने लगी। उम्र बढ़ने के साथ खाने में भी काफ़ी बदलाव आए।

2. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तर:- लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी। उसके बाद अपने जूते पॉलिश करके चमकाती थी। इतवार की सुबह इसी काम में लगाती थी।

3. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' – यह कहकर लेखिका क्या-क्या बताती हैं?

उत्तर:- 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' – यह कहकर लेखिका बताती है कि उन दिनों मनोरंजन के लिए कुछ घरों में ग्रामोफोन थे परंतु उसके स्थान पर आज हर घर में रेडियो और टेलीविजन देखने मिलता है। कुलफ़ी की जगह आइसक्रीम ने ले ली है। कचौड़ी-समोसा पैटीज में बदल गया है। शहतूत और फ़ाल्से और खसखस के शरबत का स्थान कोक-पेप्सी ने ले लिया है।

4. पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्यों छेड़ते थे।

उत्तर:- लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें छेड़ते थे क्योंकि पहली बार चश्मा लगाने के कारण वह कुछ अजीब सी लग रही थीं।

उनके चचेरे भाई उन्हें छेड़ते थे कि –

आँख पर चश्मा लगाया

ताकि सूझे दूर की
यह नहीं लड़की को मालूम
सूरत बनी लंगूर की।

5. लेखिका की तरह तुम्हारी उम्र बढ़ने से तुम्हारे पहनने-ओढ़ने में क्या-क्या बदलाव आए हैं? उन्हें याद कर लिखो।

उत्तर:- लेखिका की तरह में भी मैं पहले फ्रॉक पहनती थी परंतु अब चूड़ीदार और कुर्ते पहनती हूँ।

10. चार दिन, कुछ व्यक्ति, एक लीटर दूध आदि शब्दों के प्रयोग पर ध्यान दो तो पता चलेगा कि इसमें चार, कुछ और एक लीटर शब्द से संख्या या परिमाण का आभास होता है, क्योंकि ये संख्यावाचक विशेषण हैं। इसमें भी चार दिन से निश्चित संख्या संख्या का बोध होता है, इसलिए इसको निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं और कुछ व्यक्ति से अनिश्चित संख्या का बोध होने से इसे अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। इसी प्रकार एक लीटर दूध से परिमाण का बोध होता है इसलिए इसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं। अब तुम नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और उनके सामने विशेषण के भेदों को लिखो –

(क) मुझे दो दर्जन केले चाहिए।

(ख) दो किलो अनाज दे दो।

(ग) कुछ बच्चे आ रहे हैं।

(घ) तुम्हारा सारा प्रयत्न बेकार रहा।

(ङ) सभी लोग हँस रहे थे।

(च) तुम्हारा नाम बहुत सुंदर है।

उत्तर:- (क) दो दर्जन – निश्चित संख्यावाचक विशेषण

(ख) दो किलो – निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ग) कुछ – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(घ) तुम्हारा – सार्वनामिक विशेषण

(ङ) सभी – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(च) बहुत – गुणवाचक विशेषण

6. कपड़ों में मेरी दिलचस्पियाँ मेरी मौसी जानती थीं।

इस वाक्य में रेखांकित शब्द 'दिलचस्पियाँ' और 'मौसी' संज्ञाओं की विशेषता बता रहे हैं, इसलिए ये सार्वनामिक विशेषण हैं। सर्वनाम कभी-कभी विशेषण का काम भी करते हैं। पाठ में से ऐसे पाँच उदाहरण छाँटकर लिखो।

उत्तर:- 1. मैं तुमसे कुछ इतनी बड़ी हूँ कि तुम्हारी दादी भी हो सकती हूँ नानी भी।

2. बचपन में हमें अपने मोजे खुद धोने पड़ते थे।

3. हम बच्चे इतवार की सुबह इसी में लगाते।

4. कुछ एकदम लाल, कुछ गुलाबी, रसभरी कसमल।

5. मैंने अपने छोटे भाई का टोपा उठाकर सिर पर रखा।

(EXERCISE-2.4)

fill in the blanks s along with उत्तरs

1. बचपन में हमें अपने _____ खुद धोने पड़ते थे।

उत्तर:मोजे

2. बचपन में हमें कई तरह के _____ खेलने को मिलते थे।

उत्तर:खेल

3. हम बच्चे इतवार की _____ इसी में लगाते।

उत्तर:सुबह

4. कुछ एकदम लाल, कुछ _____, रसभरी कसमल।

उत्तर:गुलाबी

5. मैंने अपने छोटे भाई का टोपा उठाकर सिर पर _____।

उत्तर:रखा